जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

1 सितम्बर 2021

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में "ट्रांसफॉर्मेटिव रिफॉर्म्स इन एनईपी 2020: प्रेजेंट इनिशिएटिव्स एंड रोड अहेड" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने "एनईपी 2020 में परिवर्तनकारी सुधार: वर्तमान पहल और आगे की राह" पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का उद्घाटन संयुक्त रूप से प्रो विजय कुमार शुक्ला, कुलपति, बीएचयू और प्रो. नजमा अख्तर, कुलपति,जामिया ने किया।

वेबिनार के मुख्य अतिथि, बीएचयू के कुलपति, प्रोफेसर विजय कुमार शुक्ला के उद्घाटन भाषण की शुरुआत एनईपी 2020 में परिवर्तनकारी सुधारों की सराहना के साथ हुई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति शिक्षा प्रणाली की बेहतरी में पूरे समाज की भागीदारी को सुगम बनाएगी, जो इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करेगी कि हम जिस प्रणाली के भीतर रहते हैं, उसके साथ कैसे रहें और कार्य करें।

प्रो नजमा अख्तर ने केंद्र और राज्य सरकारों की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि अब यह मानने के लिए पर्याप्त सबूत हैं, कि इस शिक्षा नीति का भाग्य पिछली नीतियों से बहुत अलग होने जा रहा है। केंद्र सरकार का नेतृत्व इस नीति के कार्यान्वयन के लिए कई कार्य-योजनाओं के निर्माण की शुरुआत करने में गंभीरता से काम कर रहा है।

पहले दिन के सत्र में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों के चार कुलपति द्वारा एक पैनल चर्चा इनपुट भी शामिल रही।

पैनल चर्चा के गणमान्य व्यक्तियों में प्रोफेसर राम शंकर कुरील, पूर्व संस्थापक कुलपति, बाबा साहेब अंबेडकर यूनिवर्सिटी ऑफ सोशल साइंसेज, मध्य प्रदेश; प्रो आरपी तिवारी, कुलपति, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब, भटिंडा; प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा और प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा, कुलपति, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी (बिहार) शामिल थे। उन्होंने एनईपी 2020 के कार्यान्वयन से संबंधित अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा किए।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया